हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

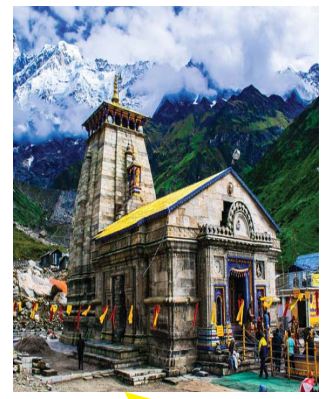

वर्ष:4 अंक:282 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, गुरूवार, 16 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी बोले उत्तराखंड के बच्चों का उज्ज्वल भविष्य ही मेरा लक्ष्य

पथ प्रवाह, चंपावत।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अपनी विधानसभा क्षेत्र चम्पावत का सड़क मार्ग से व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चम्पावत से टनकपुर तक विभिन्न गांवों – मुड़ियानी, धौन, स्वाला, अमोड़ी, चल्थी, सिंयाड़ी, सूखीढांग और बस्तियां का भ्रमण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों से क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों की स्थिति और जनकल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली।

दौरे के दौरान हर गांव में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का स्वागत अत्यंत उत्साहपूर्ण रहा। पारंपरिक पोशाकों में सजी महिलाओं ने फूलों, मंगल गीतों और आशीर्वाद के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने भावुकता के साथ कहा – यह आशीर्वाद ही मेरे कार्यों की सच्ची ऊर्जा है। चम्पावत की जनता का स्नेह और विश्वास मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि चम्पावत न केवल उनका निर्वाचन क्षेत्र है, बल्कि उनकी प्रेरणा भूमि भी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विभिन्न स्थानों पर बच्चों से भी संवाद किया। उन्होंने उनसे उनके सपनों, पढ़ाई और करियर के बारे में पूछा

और उन्हें प्रेरित करते हुए कहा आपका उवल भविष्य ही मेरा लक्ष्य है। जिस दिन आप सभी आत्मविश्वास से अपने सपने पूरे करेंगे, उस दिन उत्तराखण्ड अपने विकास के सर्वोच्च शिखर पर होगा।

उन्होंने बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाया और कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है।

चल्थी में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी एक स्थानीय दुकान पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने स्वयं पहाड़ी गडेरी और अदरक खरीदी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार वोकल फॉर लोकल की भावना को धरातल पर उतारने के लिए संकल्पबद्ध है और हर नागरिक को स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा –चम्पावत का हर कोना मुझे नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। यहाँ की जनता का स्नेह मेरे लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, और हम सब मिलकर चम्पावत को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाएँगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने ग्रामीणों को दीपावली, धनतेरस और भैयादूज की अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह पर्व प्रदेश में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएँ।

दौरे के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने विकास कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, सिंचाई, कृषि और स्थानीय रोजगार से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता जनता की सुविधा, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करना है – जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य है।

इस अवसर पर दायित्वधारी श्याम नारायण पांडे, अनिल डब्बू, शंकर कोरंगा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी, भाजपा प्रदेश मंत्री निर्मल मेहरा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांसद त्रिवेन्द्र रावत ने केंद्रीय कानून मंत्री से की भेंट, पर्वतीय महिला उत्पादों से किया 'वोकल फॉर लोकल' का प्रतिनिधित्व

पथ प्रवाह, नई दिल्ली

नई दिल्ली में हरिद्वार के सांसद एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से भेंट की। इस अवसर पर सांसद ने केंद्रीय मंत्री को दीपोत्सव की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने उत्तराखंड के पर्वतीय अंचलों की महिला स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पाद केंद्रीय मंत्री को भेंट किए। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'नारी शक्ति' के संकल्प को धरातल पर उतारने का प्रतीक मानी गई। सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं द्वारा बनाए गए ये उत्पाद न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम हैं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और स्थानीय संसाधनों के सम्मान का प्रतीक भी हैं। उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की भावना का जीवंत उदाहरण बताया। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने समसामयिक राजनीतिक, विकासात्मक एवं सामाजिक विषयों पर भी सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा की। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस अवसर पर यह भी आश्वस्त किया कि उत्तराखंड की महिला शक्ति और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर कई नई योजनाओं पर काम कर रही हैं।

देश में अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित केवल तीन जिले बचे हैं : गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली। सरकार ने नक्सल मुक्त भारत बनाने के संकल्प की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है और अब नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर सिर्फ तीन रह गई है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि अब केवल छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर ही वामपंथी उग्रवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिले बचे हैं।

वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या भी 18 से घटकर केवल 11 रह गई है। इस प्रकार अब केवल 11 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि सरकार अगले वर्ष 31 मार्च तक नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है।

इस वर्ष नक्सल विरोधी अभियानों की सफलता ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इन अभियानों में 312 वामपंथी कैडरों को मार गिराया गया है, जिनमें सीपीआई (माओवादी) महासचिव और पोलित ब्यूरो/केन्द्रीय समिति

के आठ अन्य सदस्य भी शामिल हैं। कुल 836 वामपंथी कैडरों को गिरफ्तार किया गया है और 1639 ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए आत्मसमर्पण किया है।

सरकार को बहुआयामी दृष्टिकोण आधारित राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति को कठोरता से लागू कर नक्सल खतरे से निपटने में अभूतपूर्व सफलता मिली है। राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति में जन-हितैषी अभियानों पर आधारित सटीक आसूचना शामिल है। इन कदमों में सुरक्षा वेक्यूम वाले क्षेत्रों में त्वरित डॉमिनेशन, शीर्ष नेताओं और ओवर ग्राउन्ड कार्यकर्ताओं को निशाना बनाना, कुटिल विचारधारा का मुकाबला करना, बुनियादी ढांचे का तीव्र विकास और कल्याणकारी योजनाओं को पूरी तरह लागू कराना, वित्तीय संसाधनों को पूरी तरह बंद करना, राज्यों एवं केन्द्र सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, और माओवादी संबंधित मामलों की त्वरित जांच और अभियोजन शामिल हैं।

वक्तव्य में कहा गया है कि वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा जिसे भारत की %सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती% कहा गया, वह नक्सलवाद अब स्पष्ट रूप से दम तोड़ रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक लाल कोरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। वर्ष 2013 में विभिन्न राज्यों के 126 जिलों में नक्सल-संबंधी हिंसा रिपोर्ट की गई थी, जबकि इस वर्ष मार्च में यह संख्या घटकर केवल 18 जिलों तक सीमित रह गई और इनमें से केवल 06%सबसे अधिक प्रभावित जिले% की श्रेणी में थे।

सुप्रीम कोर्ट ने वांगचुक की हिरासत को चुनौती वाली याचिका में संशोधन की दी अनुमति

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत राजस्थान की जोधपुर केंद्रीय जेल में बंद सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो को उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में संशोधन करने की बुधवार को अनुमति दे दी।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने एनएसए के तहत वांगचुक की हिरासत के आधार को

चुनौती देने वाली गीतांजलि की याचिका में संशोधन की अनुमति दे दी।

अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की अनुमति मांगी ताकि सरकार द्वारा दिए गए हिरासत के आधारों को अब उचित रूप से चुनौती दी जा सके। उन्होंने पीठ के समक्ष स्पष्ट किया कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ नोट्स साझा करने की अनुमति नहीं है।

जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी खुश रहना: जिलाधिकारी

पथ प्रवाह हरिद्वार।

ग्लोबल हैण्ड वॉशिंग डे के अवसर पर रैकिट एवं प्लान इण्डिया के सहयोग से राजकीय जूनियर हाईस्कूल रोशनाबद में स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा दीप जलाकर किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बच्चों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि विभिन्न प्रकार की बीमारियां सही से हाथ न धोने एवं सफाई पर ध्यान न रखने के कारण पनपती हैं। उन्होंने खाना खाने से पहले, खाना खाने के बाद व शौचालय से आने के बाद अपने हाथों को साबुन व स्वच्छ पानी से अवश्य धोने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी बच्चों को समय-समय पर अपने नाखून काटते रहने, प्रतिदिन स्नान करने, साफ कपड़े पहनने के साथ ही अपने स्वास्थ्य व आसपास की सफाई का विशेष ध्यान रखने, साफ रुमाल रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फास्ट फूड एवं चिप्स आदि कम से कम खाने या कतई न

खाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पौष्टिक आहार खाएं। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि खुद को साफ और सफाई पर ध्यान रखने के साथ ही दोस्तों व परिवारजनों को समझाएंगे तो स्वच्छता पर बड़ा अचीवमेंट आसानी से प्राप्त होगा। उन्होंने एक बच्चे के मोबाइल लेकर स्कूल पहुंचने पर बच्चे के माता पिता को बुलाकर बच्चे की व अभिभावकों की काउंसिलिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को मोबाइल से दूर रहने, पढ़ाई के साथ-साथ दिन में कम से कम दो घंटे खेले व घर पर 2 से 4 घंटे प्रतिदिन अवश्य पढ़ाई करने के लिए मार्गदर्शित किया। उन्होंने बच्चों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि जीवन में सबसे ज्यादा जरूरी खुश रहना है, कहीं भी स्ट्रैस न लें। पूरी मेहनत व लगन से पढ़ाई कीजिए, मेहनत का फल अवश्य मिलता है, स्वास्थ्य का ध्यान रखें, खाना भरपूर लीजिए, पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद भी कीजिए। उन्होंने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि बचपन में शरारतें होती रहती हैं, लेकिन कोई ऐसी शरारत न कीजिए जिससे किसी को चोट या नुकसान पहुंचे। इस दौरान स्टेट प्रोग्राम मैनेजर प्लान इंडिया सैयद अली नकवी, जिला प्रभारी प्रकाश नेगी, स्कूल वालिंटियर प्रियंका रोथान, जिला समन्वयक समग्र शिक्षा सुधीर उनियाल, बीआरपी समग्र चौहान, सीआरपी वर्षा भंडारी, प्रधानाध्यापक संजय चौहान सहित विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

इन्हें किया गया पुरस्कृत

इस दौरान हाथ धोने एवं स्वच्छता पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 8 सी कि प्रतिज्ञा वर्मा, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 7 ए की आरुषि नेगी, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 8 बी की अरसी,स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 6 ए की अनमता, द्वितीय स्थान पर्याप्त करने वाली कक्षा 7 सी की चांदनी, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 7 ए की रिफ़ा तथा क्विज़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा 8 ए के विक्रम, द्वितीय स्थान पर्याप्त करने वाली कक्षा 8 ए की प्रियांशी व कक्षा 6 सी की गरिमा, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली कक्षा 6 ए की अनमता को रेकिट एवम् प्लान इंडिया के सहयोग से पुरस्कृत किया गया।

एक नजर

नगरायुक्त नंदन कुमार ने दिये दिवाली से पहले सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश

पथ प्रवाह हरिद्वार।

महापर्व दिवाली को देखते हुए मुख्य नगर आयुक्त हरिद्वार नंदन कुमार ने शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने सफाई निरीक्षकों और पर्यावरण मित्रों की एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर दिवाली से पहले और त्यौहार के दौरान स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए कई कड़े निर्देश जारी किए।

?नगर आयुक्त नंदन कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के सभी 60 वार्डों और बाजारों में सफाई व्यवस्था को दोनों पालियों में दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि दिवाली के दौरान बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में कूड़े-कचरे की समस्या न हो, इसके लिए सभी को कमर कसनी होगी। नगर आयुक्त नंदन कुमार ने शहर के सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने घरों के साथ-साथ अपने आस-पास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने में नगर निगम का सहयोग करें। कूड़े को निर्धारित स्थानों पर ही डालें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

तत्काल एक्शन और निगरानी के निर्देश

बैठक में नगर आयुक्त ने कहा कि जिन क्षेत्रों में अतिरिक्त कर्मचारियों की आवश्यकता है, वहां तुरंत एक्शन लेते हुए कर्मचारियों की तैनाती की जाए। उन्होंने सभी सफाई निरीक्षकों को व्यक्तिगत रूप से सभी 60 वार्डों और प्रमुख बाजारों में सफाई व्यवस्था का मौका मुआयना (निरीक्षण) करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ तौर पर चेतावनी दी कि लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी और कर्मचारियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

बाजारों के लिए विशेष योजना

बाजारों में अक्सर दिन में कचरा उठान में दिक्कत होती है, जिसे देखते हुए नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि बाजारों के कचरा वाहनों को रात्रि में और बाजार खुलने से पहले चलाया जाए, ताकि ग्राहकों और दुकानदारों को स्वच्छ माहौल मिल सके।

विशेष सफाई अभियान और फॉगिंग

स्वच्छता को और बेहतर बनाने के लिए, नगर आयुक्त ने शहर के सभी नाले-नालियों की विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, मच्छरों और बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए पूरे नगर निगम क्षेत्र में फॉगिंग कराने के भी निर्देश दिए गए।

कूड़ा फेंकने पर लगेगा जुर्माना

सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि कूड़ा यहां-वहां फेंकने वाले लोगों पर तत्काल जुर्माना (चालान) कार्रवाई अमल में लाई जाए।

फेस्टिव सीजन में हरिद्वार पुलिस अलर्ट मोड पर, सजग निगरानी के दिये निर्देश

पथ प्रवाह हरिद्वार।

हरिद्वार पुलिस कप्तान की अध्यक्षता में पुलिस कार्यालय रोशनाबाद स्थित सभागार में माह सितम्बर की अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। क्राइम मीटिंग में एसएसपी द्वारा मुख्यालय स्तर से प्रचलित कालनेमि/ अज्ञात महिला शव शिनाख्त अभियान, तंबाकू मुक्त युवा कैम्पेन, ऑपरेशन लगाम आदि के आंकड़ों को जांच कर प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नारकोटिक्स अधिनियम के मामलों, लम्बित विवेचनाओं, हत्या के प्रकरणों सहित मुख्यालय स्तर पर प्रचलित 46 बिन्दुओं की अपराध समीक्षा कर आंकड़ों को सुधारने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पुलिस कप्तान ने सभी थाना प्रभारी/ एफएसओ सुनिश्चित करें कि किसी भी थाना क्षेत्र में अवैध पटाखा फैक्ट्री या गोदाम न हों। ऐसा पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाए जाने के निर्देश दिये। सीएफओ सुनिश्चित करें कि विभिन्न फैक्ट्रियों सहित दिवाली के पटाखों के लिए लगने वाले बाजारों को पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध होने पर ही नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी किए जाएं एवं अपनी जिम्मेदारी समझते हुए औचक दौरा कर उक्त उपकरणों की कार्यशीलता जांची जाए। त्योहारों के दौरान सभी फायर स्टेशन अलर्ट मोड पर काम करेंगे। रिएक्शन टाइम जितना कम होगा नुकसान उतना ही ज्यादा कम होगा। कोई भी आग लगने की घटना घटित

होने पर यदि आवश्यकता हो तो नजदीकी फायर स्टेशनों से भी मदद मांगी जाए ताकी जन/धन हानि को कम से कम किया जाए।

कप्तान ने कालनेमि/ अज्ञात महिला शव शिनाख्त अभियान में कुछ थाने सुस्त नजर आ रहे हैं। संबंधित प्रभारियों को कार्य में सुधार की चेतावनी दी गई। तंबाकू मुक्त युवा कैम्पेन को सभी गंभीरता से लें। तम्बाकू सेवन के नुकसान के बारे में छात्र-छात्राओं एवं आमजन को नुक्कड़ नाटक एवं गोष्ठी के माध्यम से जागरुक किया जाए। लंबित विवेचनाओं के निस्तारण में संबंधित सर्किल ऑफिसर्स ध्यान दें। पूरी पारदर्शिता के साथ गुण-दोष के आधार पर विवेचनाओं का निस्तारण किया जाए। शांति व्यवस्था प्रभावित कर रहे तत्वों के विरुद्ध प्रत्येक दशा में विधिक कार्यवाही अमल में लाते हुए आपराधिक तत्वों पर सतर्क नजर रखी जाये ताकी बड़ी घटनाओं पर रोक लगायी जा सके। मेडिकल स्टोर्स पर मादक द्रव्यों/ कैप्सूल्स की बिक्री पर रोक लगाने के लिए औषधी विभाग से सामंजस्य स्थापित कर छापेमारी की जाए। छोलाछाप दवाखानों पर प्रभावी रोक आवश्यक है।दिवाली के दृष्टिगत प्रशासन से समन्वय स्थापित कर भीड़भाड़ वाले इलाकों से अतिक्रमण हटाया जाए। भीड़ के दृष्टिगत बाजारों के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया जाए एवं छीना-झपटी के मामलों को रोकने के लिए पुलिस एवं पीएसी के जवानों को गस्त पर रखा जाए। त्योहारों की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी बॉर्डर चेकपोस्ट्स को अलर्ट मोड पर रखा जाए और आवागमन कर रहे सभी वाहनों पर सख्त नजर रखी जाए। गंभीर अपराधों में वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित करना आवश्यक है। थाना प्रभारी बड़े अपराधों में फिल्ड यूनिट का सहयोग अनिवार्य रूप से लें।

नए मुख्य विकास अधिकारी के रूप में ललित नारायण मिश्र ने संभाला पदभार

पथ प्रवाह हरिद्वार। उत्तराखण्ड शासन के आदेशों के क्रम में बुधवार को डॉ ललित नारायण मिश्र ने विकास भवन स्थित कार्यालय पहुंच कर मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इसके बाद संबंधित पटल के अधिकारियों एवम् कर्मचारियों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मार्गदर्शित करते हुए कहा कि अपना कार्य पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ करें।

उन्होंने कहा कि जो भी आमजन मानस अपनी समस्याएं लेकर विकास भवन में पहुंचते है तो उनकी समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए है कि किसी अधिकारी एवं कार्मिक को कार्य के संपादन या समस्या निस्तारण में किसी भी प्रकार की कठिनाई या परेशानी आती है तो उसके निराकरण हेतु सीधे सीडीओ से सम्पर्क कर सकते हैं ताकि कार्य अनावश्यक लंबित न रहें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यों के

संपादन में किसी प्रकार की समस्या या परेशानी है तो उनसे किसी भी समय मिलकर इसका समाधान कर सकते है।

इसके पश्चात् मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी यशपाल सिंह, अपर जिला अर्थ एवम् संख्याधिकारी सुभाष शाक्य, मुख्य वैयक्तिक अधिकारी वीरेंद्र सिंह रावत, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर अभिषेक चौहान सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

एचआरडीए में अनुशासन और संवेदनशील प्रशासन की नई परिभाषा बने आईएएस अंशुल सिंह

ढाई वर्ष के कार्यकाल में विकास, पारदर्शिता और जनता के विश्वास के स्थापित किये नये मानक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) में उपाध्यक्ष के रूप में आईएएस अंशुल सिंह ने अपने ढाई वर्ष के कार्यकाल में अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशील प्रशासन की मिसाल पेश की। उनकी नेतृत्वशैली ने न केवल विभाग की कार्यप्रणाली को सशक्त बनाया, बल्कि जनता के बीच प्रशासन के प्रति भरोसे की नई लहर भी पैदा की।

हाल ही में उनका तबादला जिलाधिकारी अल्मोड़ा के पद पर हुआ है। इस अवसर पर प्राधिकरण सभागार में आयोजित विदाई समारोह में भावनात्मक माहौल देखने को मिला। कर्मचारीगण उनकी दूरदर्शी सोच, सहज व्यवहार और नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए भावुक हो उठे।

कर्मचारियों ने कहा कि अंशुल सिंह के निर्देशन में एचआरडीए में अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की संस्कृति विकसित हुई। उनके आदेशों के पालन में सदैव उत्साह का संचार रहा, जिससे कार्यप्रणाली में गतिशीलता और जनता के कार्यों में तेजी आई।

'खेलनगरी' के रूप में विकसित हरिद्वार

अंशुल सिंह ने कहा कि हरिद्वार केवल एक तीर्थनगरी नहीं, बल्कि देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। उन्होंने कहा कि ÷हरिद्वार की सुंदरता आध्यात्मिकता और स्वच्छता के साथ-साथ सुव्यवस्थित विकास में निहित है। उन्होंने बताया कि लगातार बढ़ती जनसंख्या और यातायात दबाव को देखते हुए पार्किंग, सड़क और शहरी नियोजन के कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की परिकल्पना के अनुरूप हरिद्वार को ÷खेलनगरी÷ के रूप में विकसित करने के प्रयासों के तहत खेल सुविधाओं के विस्तार और आधारभूत ढांचे को सशक्त किया गया, जिसका लाभ अब जनपद के युवाओं को मिलेगा।

अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई

अंशुल सिंह ने कहा कि उनका उद्देश्य सदैव जनता के प्रति जवाबदेही और संवाद पर केंद्रित रहा। उन्होंने स्वीकृत मानचित्रों के अनुरूप निर्माण को प्रोत्साहित किया और अवैध निर्माणों पर सख्त कार्रवाई कर प्राधिकरण की साख को मजबूत बनाया।

राज्य सरकार के निर्देशों पर सुशासन कैंपों का आयोजन कर जनमानस की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

कर्मचारियों की निष्ठा ने दिया प्राधिकरण को नई पहचान

अंशुल सिंह ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि ÷विभाग की सफलता केवल नेतृत्व से नहीं, बल्कि हर कर्मचारी की निष्ठा और ईमानदारी से तय होती है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे आगे भी उसी समर्पण भाव के साथ जनता के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करें।

दूरदर्शी सोच के अधिकारी, प्रेरणास्रोत — सचिव मनीष सिंह

एचआरडीए के सचिव मनीष सिंह ने कहा कि उपाध्यक्ष पद पर अंशुल सिंह के साथ कार्य करने का अनुभव अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि जनपद के विकास को लेकर उनकी सोच हमेशा दूरदर्शी रही। उनके निर्देशन में आरंभ हुए अनेक विकास कार्यों का प्रतिफल अब जनता को मिल रहा है। विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारी और कर्मचारी भावुक नजर आए। सभी ने एक स्वर में कहा कि अंशुल सिंह का कार्यकाल न केवल उल्लेखनीय रहा, बल्कि प्रशासनिक दक्षता और जनसेवा की दृष्टि से अविस्मरणीय रहा है।

एक नजर

पूर्व राष्ट्रपति डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह हरिद्वार। भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष ऐजाज हसन के कैंप कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि देते हुए डॉ. कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ऐज़ाज़ हसन ने की। जिला अध्यक्ष ऐज़ाज़ हसन ने कहा डा.कलाम का जीवन हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में जन्म लेकर भी राष्ट्र को विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वह हमें सिखाते हैं कि सफलता संसाधनों से नहीं, बल्कि संकल्प से मिलती है। सभा में डा.कलाम से जुड़ा एक प्रेरणादायक प्रसंग भी साझा किया गया। जब इसरो में राकेट प्रक्षेपण असफल हुआ, तो डा.कलाम ने असफलता की पूरी ज़िम्मेदारी अपने ऊपर ली। लेकिन जब अगला मिशन सफल हुआ, तो उन्होंने अपने जूनियर वैज्ञानिकों को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भेजा। उन्होंने कहा जब असफलता हो, तो नेता आगे होता है और जब सफलता मिले, तो टीम आगे होती है। यह प्रसंग आज भी नेतृत्व और ईमानदारी का सर्वोत्तम उदाहरण है। इस अवसर पर जिला महामंत्री मोहसिन मंसूरी, पूर्व अध्यक्ष राव जमीर, शहनवाज़ शाह, राव अफ़ज़ल, शहबाज़ हसन, भूरे भाई, अहतशाम मंसूरी, प्रदीप, नाज़िम, शोकीन समेत कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने डा.कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सीडीओ ललित नारायण मिश्र को दी ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना की जानकारी

पथ प्रवाह हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में नवागत मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र का हार्दिक स्वागत जिला परियोजना प्रबंधन इकाई, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना की टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) संजय सक्सेना ने परियोजना के उद्देश्यों, क्रियान्वयन संरचना तथा अब तक की प्रमुख उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना तथा महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाना है। परियोजना के तहत वर्तमान में जनपद में कृषि, पशुपालन, मशरूम, सिंघाड़ा, मधुमक्खी पालन एवं अन्य गैर-कृषि उद्यमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी मिश्र ने परियोजना टीम के प्रयासों की सराहना की और निर्देश दिए कि सभी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए ताकि ग्रामीणों को अधिकतम लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

हरिद्वार जनपद का मास्टर प्लान 2041: जनता से सीधे संवाद की तैयारी

प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर 16 से 18 अक्टूबर तक होगी जनसुनवाई; शासन द्वारा गठित समिति करेगी विचार-विमर्श

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) की ओर से तैयार की गई हरिद्वार महायोजना-2041 (प्रारूप) और रूड़की महायोजना-2041 (प्रारूप) पर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों के निस्तारण के लिए शासन ने जनसुनवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। शासन द्वारा गठित समिति आगामी 16 से 18 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित स्थलों पर जनसुनवाई आयोजित करेगी, जिसमें सभी आपत्तिकर्ता और सुझावकर्ता को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया गया है। हरिद्वार और रूड़की महायोजना-2041 के प्रारूपों की प्रदर्शनी पहले दोनों नगरों में आयोजित की गई थी, जिसके माध्यम से नागरिकों, संस्थाओं और विशेषज्ञों से विस्तृत सुझाव एवं आपत्तियाँ प्राप्त हुई थीं। अब इन आपत्तियों और सुझावों पर शासन द्वारा गठित समिति जनसुनवाई के माध्यम से विस्तृत विचार-विमर्श करेगी, ताकि अंतिम महायोजना में जनता की राय को उचित स्थान दिया जा सके।

जनसुनवाई की तिथियां और स्थान

1. हरिद्वार महायोजना-2041 (प्रारूप)
तिथि- 16 अक्टूबर 2025
स्थान- भल्ला इंटर कॉलेज, मायापुर, हरिद्वार

2. रूड़की महायोजना-2041 (प्रारूप)
तिथि- 17 एवं 18 अक्टूबर 2025
स्थान- बी.एस.एम. डिग्री कॉलेज, रूड़की

सभी आपत्तिकर्ता एवं सुझावकर्ता को उक्त तिथियों पर उपस्थित होकर अपने पक्ष प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। शासन द्वारा गठित समिति की अध्यक्षता उपाध्यक्ष, हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण करेंगे। समिति में निम्न अधिकारी सदस्य के रूप में सम्मिलित हैं – प्रभागीय वनाधिकारी, हरिद्वार, नगर आयुक्त, नगर निगम हरिद्वार एवं रूड़की, पुलिस अधीक्षक, यातायात एवं परिवहन, हरिद्वार, मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक, उत्तराखंड, देहरादून, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग एवं सिंचाई खंड, हरिद्वार, समिति प्राप्त आपत्तियों और सुझावों का विश्लेषण कर उन्हें अंतिम महायोजना में सम्मिलित करने की प्रक्रिया तय करेगी।

डाक आमंत्रण के साथ सार्वजनिक सूचना भी मान्य

प्राधिकरण ने बताया कि सभी आपत्तिकर्ताओं और सुझावकर्ताओं को डाक द्वारा व्यक्तिगत आमंत्रण भेजा गया है। हालांकि, यदि किसी कारणवश डाक आमंत्रण प्राप्त नहीं हो पाता है, तो यह सार्वजनिक सूचना ही अधिकृत आमंत्रण मानी जाएगी।

जनभागीदारी से सुनियोजित शहरी विकास

हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण के अनुसार, शासन का उद्देश्य महायोजना को केवल तकनीकी दस्तावेज़ न बनाकर, जनभागीदारी आधारित विकास का खाका तैयार करना है। महायोजना-2041 दोनों नगरों के भविष्य के भू-उपयोग, यातायात, आवास, औद्योगिक क्षेत्र, पर्यावरण और अवसंरचना विकास की दिशा तय करेगी।

पतंजलि अपनी संकल्प शक्ति से शिक्षा की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं पर कर रहा कार्य: गोविंद गिरि

पथ प्रवाह हरिद्वार।

स्वामी रामदेव व आचार्यश्री बालकृष्ण द्वारा स्थापित आवासीय शिक्षण संस्थान आचार्यकुलम् का 13वाँ वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित 'चरित्र निर्माण एवं समृद्धि का आधार- शिक्षा' विषय पर आधारित वार्षिकोत्सव के मुख्य कार्यक्रम ने दर्शकों को मन्त्र-मुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में स्वामी जी व आचार्यश्री द्वारा स्थापित विविध प्रकल्पों व दृष्टि से समाहित प्रेरक झाँकियों का मंचन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे वेदमूर्ति स्वामी गोविंददेव गिरि जी, विशिष्ट अतिथि भौतिकी शास्त्री एचसी वर्मा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली से हिन्दी आचार्या व भारतीय भाषा संघ की अध्यक्षा डॉ. वंदना, इतिहासवेत्ता डॉ. अवध ओझा सहित सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों और आचार्यों सहित पतंजलि योगपीठ परिवार की भरपूर सराहना की। इस भव्य कार्यक्रम में स्वामीजी द्वारा सत्र 2024-25 के कक्षा 5-12 में प्रथम-द्वितीय-तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता विद्यार्थियों को कुल

2 लाख रुपए के नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही विविध योग, क्रीड़ा व कला प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। आदर्श विद्यार्थी सम्मान रवि प्रकाश व प्राची शर्मा को तथा सर्वश्रेष्ठ सदन का पुरस्कार पृथ्वी सदन को मिला। वार्षिकोत्सव में संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों जितेंद्र यादव, आयुष शर्मा, तान्या, दरबारा सिंह, सुमति, दिव्यांशु मोहन आर्य, आर्यमन लठवाल, आदित्य खेतान व शुभमराज ने अपने गौरवपूर्ण अनुभव साझा किए जो आज विविध एम्स और आईआईटी में अध्ययनरत हैं। इस पावन अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय में दर्शन विभाग की अध्यक्षा व डीन साध्वी देवप्रिया , भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ एनपी सिंह, पतंजलि क्रय समिति की अध्यक्षा आशु व स्नेहलता, आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा डॉ. ऋतंभरा शास्त्री, प्राचार्या स्वाति मुंशी, उप-प्राचार्य तापस कुमार बेरा, पीसीए प्रमुख प्रदीप कुमार, स्वामी बजरंगदेव, समन्वयिका दीपा, मुख्य छात्रावास अधीक्षक व क्रीड़ाध्यक्ष अमित, सभी संन्यासीगण, आचार्यवृंद, कर्मचारीगण विद्यार्थी व अभिभावकगण सहित सम्पूर्ण पतंजलि परिवार उपस्थित रहा।

संपादकीय

दीपावली: सिर्फ़ रोशनी नहीं, आत्मनिर्भरता का पर्व

दीपावली, हर साल की तरह, रोशनी, उल्लास और खुशियों का पर्व है। लेकिन इस बार समूचे देश में एक संदेश आया है–यह पर्व केवल दीयों की चमक या मिठाइयों तक सीमित नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वदेशी अपनाओ' अभियान को सफल बनाने का प्रतीक बनकर आया है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी खटीमा में पारंपरिक मिट्टी के दीयों और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी कर सभी को प्रोत्साहित किया कि दीपावली आत्मनिर्भरता का भी पर्व है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्पष्ट किया कि जब हम अपने गाँव और कस्बों के कारीगरों के बनाए उत्पादों को अपनाते हैं, तो हम केवल वस्तु नहीं खरीदते। हम किसी परिवार की आजीविका, उसकी मेहनत और उसकी उम्मीद को सम्मान देते हैं। यह छोटे-छोटे कदम ही उस बड़े बदलाव की नींव हैं, जो ÷वोकल फॉर लोकल÷ और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को सच कर सकते हैं।

उत्तराखण्ड के कारीगरों की कला और कौशल में समृद्धि है। मिट्टी के दीये, हस्तनिर्मित सजावटी उत्पाद, जैविक वस्तुएँ और पहाड़ी खाद्य पदार्थ न केवल स्थानीय बाजार में, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रहे हैं। इस दीपावली, जब हम स्वदेशी वस्तुएँ खरीदते हैं, हम सीधे उनके जीवन में खुशियों के दीप जलाते हैं।

यह संदेश सिर्फ़ उत्सव का नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जिम्मेदारी का भी है। यह हमें याद दिलाता है कि हर खरीदारी का प्रभाव किसी न किसी परिवार की आत्मनिर्भरता और गाँव-कस्बों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। छोटे कदम बड़े बदलाव की शुरुआत हैं।

इस दीपावली, हमें केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने समाज और देश को भी रोशन करना है। दीपावली का असली अर्थ तभी समझ में आएगा, जब हम अपनी खुशियाँ साझा करने के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों और कारीगरों के काम को भी सम्मान देंगे। यही सच्ची समृद्धि है, यही असली रोशनी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील स्पष्ट है–इस दीपावली स्वदेशी अपनाएँ, स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करें और आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करें। देश के सभी सांसदों, विधायकों और प्रशा?सनिक अधिकारियों ने स्वदेशी की अपील की है। मेरे देशवासियों अब जागने का वक्त आ चुका है। स्वदेशी अपनाने के लिए दीपावली पर्व से ही शुरूआत करें।

देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: लोकतंत्र की जड़ों की रक्षा की दिशा में बड़ा कदम

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर जो सख्त रुख अपनाया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए यानी राजद्रोह कानून से संबंधित याचिकाओं को पाँच जजों की संविधान पीठ को भेजने का जो निर्णय लिया है, वह केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आज़ादी की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा है। राजद्रोह कानून की उत्पत्ति औपनिवेशिक शासन में हुई थी। अंग्रेजों ने 1870 में इसे इसलिए बनाया था ताकि भारत में स्वतंत्रता की आवाज़ उठाने वाले क्रांतिकारियों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को कुचल सके। इस कानून के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी अभियुक्त बनाए गए थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में उम्मीद जागी थी कि इस काले कानून को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन अफसोस कि यह आज तक जीवित है, और कई बार तो यह उस रूप में भी नजर आया, जो लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है। आज़ादी के बाद से ही यह कानून सरकारों के हाथों में एक ऐसा औज़ार बन गया, जिसका इस्तेमाल विरोधी विचारों को कुचलने में हुआ। चाहे पत्रकार हों, मानवाधिकार कार्यकर्ता या आम नागरिक हों, किसी भी असहमतिपूर्ण आवाज़ को ÷राष्ट्रविरोधी÷ कहकर निशाना बनाया जा सकता था। इसी मनमाने इस्तेमाल पर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा था कि जब यह कानून औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक है, तो इसे क्यों बनाए रखा जाए। लेकिन सरकार ने अब ÷भारतीय न्याय संहिता÷ (बीएनएस) के ज़रिए उसी कानून को नए नाम और थोड़े बदले हुए शब्दों में फिर से पेश कर दिया। अब इसे भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाला अपराध कहा गया है। हालांकि ÷राजद्रोह÷ शब्द हटा दिया गया, लेकिन इसकी भावना लगभग वैसी ही बनी हुई है। यानी जो व्यक्ति सत्ता की आलोचना करे या सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, उसे अब भी आसानी से देशविरोधी करार दिया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अदालत में कहा, कि कानून का दुरुपयोग ऐसा है जैसे किसी को एक लकड़ी काटने की अनुमति देना, और वह धीरे-धीरे पूरा जंगल काट दे। यह टिप्पणी बेहद प्रतीकात्मक है, यह दिखाती है कि यदि नागरिकों की आवाज़ पर नियंत्रण रखने की कानूनी छूट दी जाए, तो धीरे-धीरे लोकतंत्र का पूरा ढांचा खोखला हो जाता है। अदालत ने यह भी साफ किया कि नए कानून आने से पुराने मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा; यानी उन मामलों में न्यायिक जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती न केवल संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने से जीवित रहता है। लोकतांत्रिक समाज में असहमति को अपराध नहीं, बल्कि सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह फैसला मोदी सरकार ही नहीं, बल्कि आने वाली सभी सरकारों के लिए भी एक संदेश है, कि नागरिकों की आवाज़ को कुचलने वाले औपनिवेशिक कानूनों की समीक्षा अब टाली नहीं जा सकती। संसद को चाहिए कि वह इस दिशा में गंभीरता से विचार करे और ऐसा ढांचा बनाए जिसमें देश की अखंडता की रक्षा हो, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई खतरा न आए। राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट का यह रुख लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह केवल एक कानूनी बहस नहीं, बल्कि उस संघर्ष का हिस्सा है जिसमें नागरिक अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़े हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता, कानून और न्यायपालिका, तीनों यह समझें कि असहमति को दबाने से राष्ट्र मजबूत नहीं होता, बल्कि कमजोर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिखा दिया है कि संविधान की मूल भावना ÷हम भारत के लोग÷ आज भी सर्वोपरि है। देशद्रोह कानून पर पुनर्विचार केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल है। यही वह क्षण है जब न्यायपालिका ने साबित किया है कि वह न केवल कानून की व्याख्या करती है, बल्कि स्वतंत्रता और न्याय की मशाल भी जलाए रखती है।

विश्व खाद्य दिवस 16 अक्टूबर 2025

जब अनाज के ढेर में छुप जाए इंसान की भूख

दिलीप कुमार पाठक

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते दशकों हो चुके हैं, परंतु दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेज़ी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फ़र्क़ नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें क़रीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ़ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। विश्व खाद्य दिवस का मकसद दुनिया से भूखमरी खत्म करना है। आज भी करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मज़बूर हैं द्य हमें आधुनिक तरीके से खेती करनी होगी ताकि ज्यादा अनाज पैदा हो। इस दिन का उद्देश्य विकासशील देशों में तकनीकी और वित्तीय मदद बढ़ाना है ताकि वे ज्यादा अनाज उगा सकें।अफ्रीका के कई देशों में यह समस्या बहुत गंभीर है, जैसे रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया और सोमालिया। हमें इन देशों की मदद करनी होगी ताकि वे अपने लोगों को खाना दे सकें। भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका है। हमें संकट के समय में स्थायी आदतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हम स्वस्थ भोजन के विकल्प चुन सकते हैं और भोजन की बर्बादी को कम करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, सरकारें, उद्यम और संगठन एवं अपनी समझ को साझा कर सकते हैं और स्थायी, लचीली खाद्य प्रणालियों और आजीविकाओं का समर्थन कर सकते हैं। हम सब मिलकर अपने विश्व का विकास, पोषण और स्थायित्व कर सकते हैं। कुछ जगहों पर, खाद्य असुरक्षा की गंभीरता बहुत ज़्यादा है। अनुमान है कि 67.3 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ, मोटापे का बढ़ता स्तर और व्यापक खाद्य अपव्यय एक असंतुलित व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं द्य बढ़ती वैश्विक जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के पार टीमवर्क की आवश्यकता है। भारत में भी खाद्यान्न की कमी नहीं है, लेकिन फिर भी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिलता। इसकी वजह है खराब सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भंडारण की समस्या। लाखों टन अनाज खुले में सड़ जाता है, जबकि करोड़ों लोग भूखे पेट सोते हैं। बच्चों में कुपोषण की समस्या भी गंभीर है। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है ताकि अनाज की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को उचित मात्रा में भोजन मिल सके।

भारत में शादी-विवाह जैसे समारोहों में बहुत सारा खाना बर्बाद होता है। एक शोध के अनुसार बेंगलुरु में शादियों में लगभग 950 टन खाना फेंका गया। समस्या सिर्फ खाने की बर्बादी नहीं है, बल्कि जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाला खाना भी एक समस्या है। भारत में कुपोषण की समस्या गंभीर है, जबकि अनाज की बर्बादी हो रही है। विश्व खाद्य उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार भारत में भुखमरी की समस्या से निपटने की गति धीमी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त अनाज है, लेकिन फिर भी कई लोग भूखे हैं और कुपोषण से जूझ रहे हैं। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थों में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता ग़रीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

विश्व शांति का दिव्यास्त्र अहिंसा

इजराइल हमास युद्ध पर पूर्ण विराम से मध्य पूर्व में शांति

कांतिलाल मांडोत

हमास इजराइल में 738 दिन के बाद स्थायी युध्द विराम के तुरंत बाद सभी बंधकों को छोड़ दिया।इस बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल संसद को सम्बोधित किया।रिहा हुए इजराइली बंधकों से मिलकर परिजन भावुक हो गए।वह दृश्य वेदना देने वाला था।दूसरी तरफ बंधकों की रिहाई पर खुशी झलक रही थी।दो साल से इजराइली सेना ने हमास पर हमला किया।हजारो लोग मारे गए और लाखों लोग बेघर हुए।करोड़ो की सम्पति नष्ट हुई।लेकिन परिणाम शून्य आया।आज विश्व मे दो सौ देश है।सभी राष्ट्रों का अपना धर्म, अपनी परम्परा और अपनी संस्कृति है।उनके रास्ट्रीय आदर्श है।वे अपने आदर्श नही त्यागते है,फिर हमें आदर्श त्यागने की जरूरत क्या है।देश मे हिंसा करने की शासकीय स्वीकृति भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति पर कालिख पोतने के समान है।धर्म को जाने बिना अहिंसा का ज्ञान नही हो सकता। हम धर्म को समझकर ही धार्मिक बन सकते है।इतने वर्षों से विदेशो में गृहयुद्ध चल रहे है।लेकिन किसी भी समस्या का समाधान नही हुआ।सभी युद्ग्रस्त देश ज्यादा उलझते गए है।क्योंकि युद्ध से आज दिन तक कोई समस्या का समाधान होता नही दिखा है।क्योंकि हिंसा अन्यायपूर्ण है।ईरान इराक,इजराइल हमास,रूस युक्रेन ,भारत पाकिस्तान आदि अनेक देश युद्ध कर चुके है।लेकिन नतीजा वो ही ढाक के तीन पात वाली कहावत यहाँ चरितार्थ होती दिखाई देती है।कोई भी देश अपने तुच्छ स्वार्थ के लिए यदि हिंसा का सहारा लेते है तो उनके जैसा मूर्ख कौन होगा?युद्ध को त्यागकर देश के विकास की तरफ ध्यान देना होगा।रूस युक्रेन युद्ध मे क्या खोया क्या पाया?युक्रेन नाटो की मदद से लड़ता रहा और दोनो देश तबाही के दंश झेल रहे है।अपनी मनमानी और जिद् में दोनो देश बर्बाद हो गए।खरबो डालर का धुआं कर सम्पति को राख में तब्दील करके शांति धारण कर बैठ गए।विश्व शांति का दिव्यास्त्र अहिंसा है।युद्ध स्थायी समाधान नही है।आज अहिंसा का स्थान हिंसा ने,आचार का स्थान अनाचार ने और शांति के स्थान पर अशान्ति ने अपने पैर फैला दिए है।दो देशो के बीच बिगड़ते रिश्ते के साथ ही युद्ध पर उतारू हो जाते है।युद्ध से निर्दोष लोगों की जाने जाती है।जानमाल की क्षति होती है।

जीवन मे युद्ध को भूलकर शांति का सुमार्ग ढूंढना है तो हमे सर्वप्रथम धर्म के आंगन में उतरना होगा।धर्म को किसी एक परिभाषा में नही बांधा जा सकता है।अहिंसा के समान कोई धर्म नही है।अहिंसा परम् धर्म है।अहिंसा दिव्यास्त्र है।महात्मा गांधी ने स्वराज पाने का अपना भारतीय स्वाधीनता का आंदोलन चलाया और उन्हें अपने कार्य मे पूर्ण सफलता भी मिली।कुछ नासमझ लोग हिंसा को सर्वोपरि मानते है क्योंकि वे अहिंसा से परिचित नही है।वे कहते है कि आज के युग मे अहिंसा की बात कैसे सोची जा सकती है,

लेकिन अहिंसा तो जीवन जीने की सिख देती है।युद्ध थोपे गए,निर्दोषों के शवों पर राजनीति की गई ,लेकिन भारत और पाकिस्तान, रूस-युक्रेन,ईरान इराक इजराइल और हमास जैसे युद्ग्रस्त देशों के वहा किसी समस्या का समाधान हुआ है?निर्दोष के लहू से सियासत की राजनीति के पीछे सच्चाई कुछ और बयां कर रही है।

धर्म को जानने वाला अहिंसा का पथ कभी नही त्याग सकता है।रूस के राष्ट्रपति व्लदीमिर पुतिन महत्वकांक्षी व्यक्ति है।क्योंकि मन मे अहंकार जागृत हो जाता है तो उसी क्षण मानव की प्रगति का पथ अवरुद्ध हो जाता है।क्योंकि पुतिन को इस बात का अहंकार था कि युक्रेन के पास आधुनिक टेक्नोलॉजी की कमी है।रूस शक्तिशाली देश है।लेकिन चार साल तक युक्रेन ने रूस का बराबर मुकाबला किया तब अहसास हुआ कि मेरी सोच गलत थी।दोनो देश बर्बाद हो गए।क्योकि जहाँ अहंकार जागृत हो जाता है,वही व्यक्ति स्वयं को शिखर समझने लगता है।हमास ने सबसे पहले इजरायल पर हमला किया।उसके जवाब में इजराइल ने दो साल तक युद्ध थोपे रखा।जब तक अंहकार की हवा भरी हुई रहती है,तब तक आदमी उछलता रहता है।सच्चाई का पता चलेगा तब अहसास होगा कि जीवन के सुनहरे पल हमने गंवा दिए है।मान और अहंकार ने हम भी इतिहास पढ़ चुके है कितने राज्य नष्ट किये है।कितने परिवार नष्ट हुए है।क्योंकि युद्ध तो बड़ी बात है।अहंकार में पति पत्नी में तलाक हो जाता है।बच्चो की जिंदगी माता पिता के अहं की टकराहट में तबाह हो जाती है।

मुख्य सचिव आनंद बर्धन की कोचिंग की गुणवत्ता पर फोकस, दस हजार बच्चों को निशुल्क कोचिंग

पथ प्रवाह, देहरादून।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही निःशुल्क कोचिंग योजना को और प्रभावी बनाने की दिशा में सरकार ने कदम तेज कर दिए हैं। बुधवार को सचिवालय सभागार में मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में इस योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य सचिव ने शिक्षा विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए कि निःशुल्क कोचिंग योजना की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और विद्यार्थियों का चयन स्क्रीनिंग टेस्ट के माध्यम से किया जाए। साथ ही प्रतियोगियों की सुविधा के अनुरूप तैयारी का समय निर्धारित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें।

मुख्य सचिव ने कहा कि योजना का उद्देश्य केवल खानापूर्ति करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए वास्तविक रूप से तैयार करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोचिंग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए और सभी प्रक्रियाएं शीघ्रता से पूर्ण की जाएं।

बैठक के दौरान निदेशक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के 10 हजार विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। कक्षा 11 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को दो वर्ष की कोचिंग दी जाएगी, जबकि 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को एक वर्ष की कोचिंग का लाभ मिलेगा।

डॉ. सती ने बताया कि कोचिंग आर्ट्स, साइंस एवं कॉमर्स तीनों धाराओं के अनुरूप दी जाएगी और इसमें लगभग सभी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं – जैसे कि सिविल सर्विस, बैंकिंग, एसएससी, इंजीनियरिंग, मेडिकल आदि की तैयारी कराई जाएगी।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विशेष रूप से मेधावी विद्यार्थियों के लिए छह वर्ष की एडवांस कोचिंग की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

बैठक में सचिव दिलीप जावलकर, अपर सचिव मनुज गोयल सहित शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने मर्चेंट नेवी में लापता उत्तराखंड निवासी करनदीप राणा के लिए जताई चिंता

पथ प्रवाह, खटीमा/देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मर्चेंट नेवी में कार्यरत उत्तराखंड निवासी करनदीप सिंह राणा के लापता होने के समाचार पर गहरी चिंता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आज करनदीप के पिताजी से दूरभाष पर बात कर उन्हें हरसंभव सहायता और सहयोग का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी धामी ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले में केंद्र सरकार और विदेश मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने स्पष्ट किया कि करनदीप की सुरक्षा और सुरक्षित वापसी राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से इस विषय पर शीघ्र कार्रवाई और आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए वार्ता करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार और संबंधित एजेंसियाँ आपसी समन्वय के साथ हर आवश्यक कदम उठा रही हैं ताकि करनदीप सिंह राणा का पता लगाया जा सके और उन्हें सुरक्षित रूप से स्वदेश वापस लाया जा सके।

परिजनों से की धैर्य बनाए रखने की अपील

मुख्यमंत्री श्री धामी ने करनदीप सिंह राणा के परिजनों से धैर्य बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी चिंता और पीड़ा को समझती है और इस दिशा में पूरी गंभीरता से प्रयासरत है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी कहा कि राज्य प्रशासन सभी संभावित सहायता उपलब्ध कराने के लिए सतत तैयार है और करनदीप सिंह राणा की सुरक्षित वापसी के लिए आवश्यक हर कदम उठाया जाएगा।

आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर किया 6.6 प्रतिशत

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिरता और यूएस टैरिफ के बावजूद भी दुनिया की बड़ी एजेंसियां भारत के जीडीपी वृद्धि दर अनुमान को बढ़ा रही है, जो देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती स्थिति को दिखाता है।

भारत के जीडीपी अनुमान में ताजा बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से की गई। ग्लोबल एजेंसी द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की अर्थव्यवस्था वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है, जो कि पहले 6.4 प्रतिशत था।

आईएमएफ ने अपने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में कहा कि वृद्धि दर में इजाफा पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन के कारण किया गया है। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में, भारत कम से कम एक वर्ष में सबसे तेज गति से बढ़ा, मजबूत निजी खपत के दम पर जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

सरकार द्वारा व्यापक जीएसटी सुधारों को लागू करने और उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर दरों में कमी के साथ, घरेलू मांग में और तेजी आने की उम्मीद है। इससे अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के कारण भारतीय वस्तुओं की बाहरी मांग पर पड़े नकारात्मक प्रभाव की भरपाई होने की उम्मीद है। बीते महीने अमेरिकी रेटिंग एजेंसी फिच ने वित्त वर्ष 26 के लिए अपने पूर्वानुमान को जून के 6.5 प्रतिशत से संशोधित कर 6.9 प्रतिशत कर दिया था। फिच ने रिपोर्ट में कहा कि भारत भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच मजबूती का प्रदर्शन कर रहा है और अगले तीन वर्षों में देश 6 प्रतिशत से ऊपर की विकास दर बनाए रखने में सक्षम है।

आरबीआई ने भी चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय गवर्नर ने कहा कि पहली तिमाही में जीडीपी में देखी गई तेजी बनी हुई है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी की विकास दर 7 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 6.2 प्रतिशत रह सकती है।

रिजर्व बैंक की लोकपाल योजना 2025 का जल्द होगा बैंकिंग शिकायतों का निपटारा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक लोकपाल योजना 2025 लागू करने जा रही है। इस योजना से बैंकिंग उपभोक्ताओं को काफी लाभ होगा। अभी बैंकिंग लोकपाल के लिए 2021 की योजना लागू थी। लेकिन इसके परिणाम अच्छे नहीं मिले। बैंकिंग सेवाओं को सुधारने के लिए रिजर्व बैंक ने नई लोकपाल नीति में भारी परिवर्तन किए हैं। रिजर्व बैंक ने एक ड्राफ्ट जारी किया है। 30 नवंबर तक सभी के सुझाव मांगे हैं। जो ड्राफ्ट प्रकाशित किया गया है। इसमें मुआवजा की सीमा 20 लाख से बढ़कर 30 लाख रुपए की गई है।3 लाख रूपये मानसिक क्षतिपूर्ति के रूप में दिए जाने का प्रावधान किया गया है। नई लोकपाल नीति में उपभोक्ताओं और वित्तीय संस्थानों को सलाह ली जा रही है। ताकि यह नीति उपभोक्ताओं के लिए बेहतर साबित हो। लोकपाल के फैसले से असंतुष्ट ग्राहक 30 दिन के अंदर अपील कर सकेंगे। अभी इसकी कोई सीमा निर्धारित नहीं थी। हर बैंक की शाखा को वेबसाइट पर लोकपाल पोर्टल और लोकपाल की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध करानी होगी।

निजी चिकित्सालयों ने बताई समस्याएं: मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने दिए निर्देश

पथ प्रवाह, देहरादून।

उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुँच को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में बुधवार को सचिवालय सभागार में मुख्य सचिव श्री आनंद बर्धन की अध्यक्षता में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुधार पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान आईएमए के सदस्यों ने प्रदेश के भौगोलिक स्वरूप और दुर्गम क्षेत्रों की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तराखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं का विकास एक कठिन किंतु अत्यंत आवश्यक कार्य है। उन्होंने सुझाव दिया कि 50 बेड से कम क्षमता वाले क्लीनिक या नर्सिंग होम स्थापित करने हेतु क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के मानकों में शिथिलता लाई जाए, ताकि छोटे शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य संस्थानों की स्थापना को प्रोत्साहन मिल सके। आईएमए प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि क्लीनिक या नर्सिंग होम स्थापित करने के लिए पंजीकरण, फायर, प्रदूषण नियंत्रण जैसी विभिन्न अनापत्तियों (NOC) की प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने अन्य राज्यों में स्वास्थ्य संस्थानों के विकास हेतु अपनाए गए सरलतम मानकों को उत्तराखंड में भी लागू करने का सुझाव रखा।

मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने आईएमए द्वारा प्रस्तुत सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए व्यावहारिक एवं समयानुकूल सुझावों को गंभीरता से लागू किया जाएगा। उन्होंने सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार को निर्देशित किया कि आईएमए के साथ समन्वय स्थापित करते हुए ऐसे बिंदुओं को चिन्हित किया जाए जिन्हें राज्य की स्वास्थ्य नीति (बायलॉज) में सम्मिलित किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है, और इसके लिए निजी क्षेत्र की सहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। बैठक में सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार, डीजी हेल्थ सुनीता टम्टा, अपर सचिव संतोष बडोनी, आईएमए उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. के. के. शर्मा, सचिव डॉ. डी. डी. चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्राउंड जीरो पर परफॉर्मेंस करने वाले 34 पुलिस कर्मचारियों को मिला सम्मान

पथ प्रवाह हरिद्वार। पुलिस कार्यालय रोशनाबाद में एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल की अध्यक्षता में सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें उनके द्वारा उपस्थित पुलिस कर्मियों से उनकी समस्याओं की जानकारी कर उनके निस्तारण के लिए आवश्यक कदम उठाये।

इस दौरान एसएसपी ने फील्ड में विभिन्न अपराधों के अनावरण में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाने एवं कठोर परिश्रम के साथ अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाते हुए समाज के बीच पुलिस की छवि उज्जवल करने के लिए बतौर पर्सन ऑफ द मंथ चयनित 34 पुलिस कर्मियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

चयनित पुलिस कर्मियों में कोतवाली नगर से कांस्टेबल परविंदर, थाना श्यामपुर से एसआई गगन मैठानी, थाना कनखल से एसआई सुधांशु कौशिक, कांस्टेबल सतेंद्र रावत, कोतवाली ज्वालापुर पे अ.प.नि. प्रताप दत्त शर्मा, थाना बहादराबाद से कांस्टेबल नितुल यादव, कोतवाली रानीपुर से काश्र अमित राणा, काश्र अजय, थाना सिडकुल से अ0प0नि0 संजय चौहान, कोतवाली रुड़की से का0 अभिषेक रावत, कोतवाली गंगनहर से म0का0 फुल्लो राय, थाना कलियर से का0 सचिन,

कोतवाली लक्सर से अ0प0नि0 रंजीत नौटियाल, थाना पथरी से का0 मुकेश चौहान, थाना खानपुर से का0 अरविंद सिंह, कोतवाली मंगलौर से अ0प0नि0 गजपालराम, थाना झबरेड़ा से म0उ0नि0 प्रीति तोमर, थाना भगवानपुर से हे0का0 मनोज कुमार, थाना बुग्गावाला से म0उ0नि0 ममता रानी,

सीआईयू रुड़की से का0 राहुल नेगी, दूरसंचार से हे0का0 आकाश गौतम, यातायात हरिद्वार से अ0प0नि0 प्रदीप कुमार, यातायात रुड़की से का0 नाज़िम हुसैन, सीपीयू रुड़की से का0 रामकिशोर, फायर स्टेशन सिडकुल से फ़ायरमैन दिनेश कुमार, पुलिस लाइन से का0 किशोर कुमार, आईआरबी से हे0का0 राजेश सिंह राणा, अभियोजन कार्यालय से म0का0 पूर्णिमा, आंकिक शाखा से अ0प0नि0 लाखन सिंह, हज्ञस्त्र से हे0का0 सुनील, गौवंश संरक्षण स्क्वायर्ड से हे0का0 सुनील सैनी, पीसी-3 से का0 चालक रूपेश चमोला, एसपी देहात कार्यालय से सफाई कर्मचारी रिंकू और पुलिस कार्यालय से सफाई कर्मचारी पवन कुमार को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह? धामी की दूरदर्शी सोच: सीमांत क्षेत्र विकास परिषद

पथ प्रवाह, गुप्तकाशी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गुप्तकाशी में आयोजित चतुर्थ सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि राज्य में ÷सीमांत क्षेत्र विकास परिषद÷ का गठन किया जाएगा, जो सीमांत जिलों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की रूपरेखा तैयार करेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सीमांत इलाकों में अब आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी जानकारी व प्रशिक्षण देने के लिए नवाचार केंद्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन केंद्रों से स्थानीय युवाओं को नई तकनीक और जागरूकता का प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे सीमांत प्रदेश आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज नवाचार, अनुसंधान और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में दुनिया में नई पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि देहरादून में देश की पांचवीं साइंस सिटी बनने जा रही है, जो उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए गर्व की उपलब्धि होगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने रुद्रप्रयाग में आपदा प्रबंधन केंद्र के निर्माण के निर्देश दिए और पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बणसू जाखधार में विभिन्न कार्यों के लिए 50 लाख की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, सीमांत उद्यमी इंद्र सिंह रावत और सीमांत सेवा फाउंडेशन के डॉ. पाटनी को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यूकॉस्ट की ÷रुद्रप्रयाग डैशबोर्ड पुस्तक÷ का विमोचन भी किया – यह जीआईएस आधारित रिमोट सिस्टम प्लेटफॉर्म राज्य की विभिन्न विभागीय योजनाओं की सूचनाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराएगा।

महोत्सव पुष्कर धामी की थीम ÷जलवायु परिवर्तन अनुकूलन रणनीतियाँ एवं आपदा जोखिम प्रबंधन एकीकरण÷ रही। इस आयोजन का उद्देश्य सीमांत जनपदों के प्रतिभावान बाल वैज्ञानिकों को नवाचार और शोध के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम कठैत, यूकॉस्ट महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, डीएम प्रतीक जैन, एसपी अक्षय प्रह्लाद कोंडे, सीडीओ राजेंद्र सिंह रावत सहित अनेक अधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

एक नजर

दिचली में 24 अक्टूबर को लगेगा बहुउद्देशीय शिविर, जिलाधिकारी करेंगे जनसुनवाई आमजन को मिलेगा योजनाओं का लाभ

पथ प्रवाह,संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह। उत्तरकाशी। जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा एक और महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विकासखण्ड चिन्यालीसौड़ के रा.इ.का. दिचली में शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर की अध्यक्षता जिलाधिकारी प्रशांत आर्य करेंगे, जबकि मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। शिविर में अधिकारियों द्वारा जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों को मौके पर ही सुना और निस्तारित किया जाएगा।

रा.इ.का. दिचली में आयोजित इस बहुउद्देशीय शिविर में जनपद के विभिन्न विभाग जैसे समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, उद्यान, पशुपालन, जलसंस्थान, महिला सशक्तिकरण, आपदा प्रबंधन, विद्युत विभाग सहित कई अन्य विभाग अपनी-अपनी योजनाओं की जानकारी देंगे। साथ ही, पात्र व्यक्तियों को मौके पर ही सरकारी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने सभी जिलास्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने संबंधित अभिलेखों एवं विकासखंड अधिकारियों के साथ स्वयं अनिवार्य रूप से शिविर में उपस्थित रहें।

बहुउद्देशीय शिविर एवं जनसुनवाई कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेदारी मुख्य विकास अधिकारी को ऑल ओवर इंचार्ज के रूप में सौंपी गई है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह शिविर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा, क्योंकि इससे लोगों को एक ही स्थान पर सभी विभागों की सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा।

उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शिविर में भाग लें, सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें, और अपनी समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन से सीधे संवाद स्थापित करें।

चमोली में छद्वध्वज प्रशिक्षुओं का धमाका-राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में नाटक में प्रथम और नृत्य-नाटिका में तीसरा स्थान हासिल

पथ प्रवाह, संवाददाता,संदीप बर्तवाल

चमोली, गौचर- राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में छद्वध्वज चमोली के डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं ने जिले का नाम रोशन किया है। प्रशिक्षुओं ने नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तथा नृत्य-नाटिका प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि से न केवल प्रशिक्षुओं का उत्साह बढ़ा, बल्कि जिले का मान भी बढ़ा है। संस्थान के प्राचार्य और प्रशिक्षकों ने इस सफलता पर प्रशिक्षुओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन न केवल प्रतिभा का परिचायक है, बल्कि शिक्षण संस्थान की गुणवत्ता और समर्पण का भी प्रमाण है। प्रतिभागियों की मेहनत और लगन ने यह साबित कर दिया कि सही मार्गदर्शन और उत्साह से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। आगामी प्रतियोगिताओं में छद्वध्वज चमोली के प्रशिक्षुओं से और भी बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में गूंजा 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश, चिन्यालीसौड़ में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अब तीसरे स्थान की ओर अग्रसर-रमेश चौहान

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र के चिन्यालीसौड़ में बुधवार को आयोजित आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार की आत्मनिर्भर भारत नीति को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और अब तीसरे स्थान की ओर तेज़ी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का रास्ता गांव, गरीब, किसान, महिला और युवाओं की भागीदारी से होकर जाता है।

रमेश चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि आज की भाजपा सरकार स्वदेशी उत्पादन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ÷मेक इन इंडिया से लेकर स्टार्टअप इंडिया और वोकल फॉर लोकल से लेकर आत्मनिर्भर भारत तक हर पहल का लक्ष्य यही है कि देश विदेशी निर्भरता से मुक्त हो और स्वदेशी अर्थव्यवस्था सशक्त बने।

इस अवसर पर पूर्व विधायक केदार सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान को सफल बनाने में भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का जनांदोलन बन चुका है।

सम्मेलन में जिला सह प्रभारी विनोद रतूड़ी, दायित्वधारी रामसुंदर नौटियाल, महामंत्री महावीर सिंह नेगी सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल को दी गई भावभीनी विदाई देहरादून में निदेशक उद्यान विभाग पद पर हुए स्थानांतरित

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार शाम जीएमवीएन के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल को उनके स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई दी गई। सेमवाल का स्थानांतरण उत्तरकाशी से देहरादून में निदेशक उद्यान विभाग के पद पर हुआ है।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रशांत आर्य सहित तमाम जिला स्तरीय अधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का माहौल आत्मीयता और संवेदनाओं से भरा हुआ था। वक्ताओं ने सेमवाल के कार्यकाल को जिले के विकास में मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि अपने शांत स्वभाव, प्रशासनिक दक्षता और जनसरोकारों के प्रति समर्पण से उन्होंने जिला प्रशासन में एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया।

विशेष रूप से धराली आपदा प्रबंधन, चारधाम यात्रा के दौरान यमुनोत्री धाम यात्रा के नोडल अधिकारी के रूप में उनकी भूमिका तथा नगर निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सफल संचालन को प्रशासनिक इतिहास में यादगार बताया गया। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल एक कुशल, कर्मठ और अनुभवी प्रशासक हैं। उनके मार्गदर्शन और सहयोग से जनपद में अनेक विकासात्मक योजनाओं को गति मिली है। प्रशासनिक टीम वर्क के रूप में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। अपने विदाई संबोधन में एस.एल. सेमवाल भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी में बिताया गया कार्यकाल उनके जीवन का सबसे यादगार और संतोषजनक समय रहा। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा मुझे यहां जो सहयोग, सम्मान और आत्मीयता मिली, वह मेरे लिए अनमोल है। मैं उत्तरकाशी की टीम भावना और जनता के सहयोग को हमेशा याद रखूंगा। विदाई समारोह में एडीएम मुक्ता मिश्र, एसडीएम देवानंद शर्मा, परियोजना निदेशक अजय सिंह, मुख्य शिक्षा अधिकारी अमित कोटियाल, सीएचओ रजनीश कुमार, डीटीडीओ के.के. जोशी, डीएसओ आशीष कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अमोड़ी में 1.60 करोड़ की 'वे साइड एमिनिटी' परियोजना का किया शिलान्यास

पर्यटन, स्थानीय रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने वाला बहुउद्देश्यीय कॉम्प्लेक्स ; यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का होगा विकास

पथ प्रवाह, चंपावत

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के अमोड़ी में लगभग 1.60 करोड़ की लागत से बनने वाली वे साइड एमिनिटी (Way Side Amenities) परियोजना का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। यह परियोजना मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की घोषणा के अंतर्गत ग्राम उत्थान परियोजना (REAP) तथा उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड, रुद्रपुर के सहयोग से स्थापित की जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि यह पहल 'आदर्श चम्पावत' के लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी कदम है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से न केवल क्षेत्र के पर्यटन ढांचे को मजबूती मिलेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं और महिलाओं को रोजगार व स्वरोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि वे साइड एमिनिटी जैसी परियोजनाएँ ग्रामीण क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था को गति देने, स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुँचाने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएँगी।

पर्यटन और रोजगार को नई दिशा

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि इस वे साइड एमिनिटी कॉम्प्लेक्स में आने वाले यात्रियों के लिए आरामदायक विश्राम स्थल, स्वच्छ एवं आधुनिक शौचालय, जलपान गृह व कैफेटेरिया, स्थानीय हस्तशिल्प, कृषि और वन उत्पादों के विक्रय केंद्र जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। इसके अलावा वाहन पार्किंग, हरित क्षेत्र (ग्रीन जोन) और सूचना केंद्र भी विकसित किए जाएंगे, जिससे यह स्थल यात्रियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा।

'वोकल फॉर लोकल' की दिशा में ठोस कदम

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा – हमारा लक्ष्य चम्पावत को विकास का मॉडल जनपद बनाना है, जहाँ पर्यटन, कृषि, बुनियादी ढाँचा और स्थानीय उद्यमिता मिलकर प्रदेश के लिए उदाहरण प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने यह भी बताया कि सरकार ग्रामीण पर्यटन, होमस्टे, जैविक खेती और पारंपरिक हस्तकला को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएँ चला रही है, जिससे युवा पीढ़ी स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सके। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनता के सहयोग से ही चम्पावत को सर्वांगीण विकास का केंद्र बनाएगी। जनभागीदारी से ही विकास की परिकल्पना साकार हो सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना से जुड़े सभी विभाग समयबद्ध तरीके से कार्य प्रारंभ करें, ताकि स्थानीय लोगों को शीघ्र लाभ मिल सके। इस अवसर पर दायित्वधारी श्याम नारायण पांडे, अनिल डब्बू, शंकर कोरंगा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद अधिकारी, भाजपा प्रदेश मंत्री निर्मल मेहरा, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय प्रशासन द्वारा किया गया।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने चौखुटिया के 30 बेडेड सीएचसी को 50 बेडेड एसडीएच में अपग्रेड

पथ प्रवाह, चौखुटिया, अल्मोड़ा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चौखुटिया में स्वास्थ्य सेवाओं को जनभावना के अनुरूप सशक्त और समयबद्ध बनाने के लिए स्वास्थ्य सचिव को निर्देशित किया है। इस दिशा में उन्होंने 30 बेडेड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को 50 बेडेड उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) में बदलने की घोषणा की है, और शासनादेश की कार्यवाही वर्तमान में शासन स्तर पर गतिमान है।

माहौलिक स्वास्थ्य सेवाओं को उच्च कोटि का बनाने के उद्देश्य से सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य ने बताया कि वर्तमान में सीएचसी चौखुटिया में प्रतिदिन 150 से 200 रोगियों की ओपीडी हो रही है और मासिक 30 से 35 गर्भवती महिलाओं के प्रसव महिला चिकित्साधिकारी द्वारा संपन्न किए जा रहे हैं। अस्पताल में कुल 07 चिकित्सक कार्यरत हैं, जिनमें 03 महिला और 04 पुरुष चिकित्सक शामिल हैं, जिसमें डेन्टल चिकित्सक भी शामिल है।

विशेषज्ञ सेवाओं को सुनिश्चित करने हेतु सप्ताह में तीन दिन विशेषज्ञ चिकित्सकों का दल–फिजिशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं बाल रोग विशेषज्ञ–जिला चिकित्सालय अल्मोड़ा एवं उप जिला चिकित्सालय रानीखेत से भेजा जाता है, जो लगातार चौखुटिया सीएचसी में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अस्पताल में सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, डेन्टल चियर और 108 एम्बुलेंस मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त, सरकार के सहयोग से चन्दन डायग्नोस्टिक द्वारा प्रतिदिन लगभग 70 से 80 निःशुल्क डायग्नोस्टिक परीक्षण भी प्रदान किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की पहल से चौखुटिया क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर नई ऊंचाई पर पहुँचने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय जनता को बेहतर और भरोसेमंद स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

पटाखों को लेकर शीर्ष न्यायालय का फैसला संतुलित : रेखा

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दीपावली पर्व पर दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों के सीमित उपयोग की शीर्ष न्यायालय की अनुमति पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय देश की सांस्कृतिक संवेदनाओं और जनभावनाओं को समझने वाला कदम है, जो परंपरा और पर्यावरण संरक्षण दोनों के बीच सुंदर संतुलन स्थापित करता है। श्रीमती गुप्ता ने कहा है कि दीपावली भारतीय संस्कृति में प्रकाश, ज्ञान और शुभता का प्रतीक पर्व है। यह केवल दीप जलाने का उत्सव नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में उल्लास, एकता और आशा का प्रतीक है। इस पर्व के साथ जुड़ी आतिशबाजी सदियों से लोगों की भावनाओं और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का हिस्सा रही है।शीर्ष न्यायालय का यह निर्णय उन भावनाओं का सम्मान करता है, साथ ही पर्यावरणीय जिम्मेदारी को भी मजबूती देता है। दिल्ली सरकार ने शीर्ष न्यायालय से विशेष आग्रह किया था कि राजधानी में ग्रीन पटाखों के उपयोग की अनुमति दी जाए, ताकि दीपावली की परंपरा का सम्मान बना रहे और पर्यावरण की रक्षा भी हो सके। न्यायालय ने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जो निर्णय दिया है, उसके लिए वह दिल्ली की जनता की ओर से आभार व्यक्त करती हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार हरित और स्वच्छ दिल्ली के संकल्प के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार का उद्देश्य है कि त्योहारों की रौनक बनी रहे, लेकिन प्रदूषण पर भी नियंत्रण रहे। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि इस दीपावली केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करें और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि उत्सव की खुशी के साथ वायु गुणवत्ता भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि यह फैसला परंपराओं और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वाला डेंजर जोन का ग्राउंड जीरो से किया निरीक्षण

पथ प्रवाह, चम्पावत।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अपने विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में टनकपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के स्वाला डेंजर जोन का स्थलीय निरीक्षण किया। इस क्षेत्र में लगातार हो रहे भूस्खलन से स्थानीय निवासियों और यात्रियों की आवाजाही प्रभावित हो रही थी। मुख्यमंत्री ने मौके पर पहुँचकर भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी, मलबे की स्थिति, जल निकासी व्यवस्था और सड़क की स्थिरता का प्रत्यक्ष जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को स्वाला क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, मलबे की मात्रा, जल प्रवाह की दिशा, भू-संरचना और वैकल्पिक मार्गों की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी दी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वाला क्षेत्र में स्थायी तकनीकी समाधान तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में मार्ग पर यातायात बाधित न हो। उन्होंने कहा कि 2026 तक यह मार्ग पूर्णतः निर्बाध और सुचारु होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवासियों और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे राहत और पुनर्स्थापना कार्य की मॉनिटरिंग की जाए। मलबा हटाने हेतु पर्याप्त मशीनरी, जेसीबी और मानव संसाधन हमेशा तत्पर रखे जाएँ। साथ ही वैकल्पिक मार्गों को भी पूर्णतः चालू और सुरक्षित रखा जाए।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि मार्ग से जुड़े गांवों के लोगों को समय-समय पर अपडेट किया जाए और आवश्यकतानुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार संवेदनशील स्थलों पर स्थायी भू-वैज्ञानिक समाधान पर लगातार कार्य कर रही है ताकि राज्य की सड़कें हर मौसम में सुचारु रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि चम्पावत-टनकपुर मार्ग क्षेत्रीय आवागमन और सीमांत इलाकों की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है, इसलिए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ विकसित किया जा रहा है।

ब्राजील के उपराष्ट्रपति से मिले राजनाथ, रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे दोनों देश

नयी दिल्ली। भारत और ब्राजील ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास तथा सह-उत्पादन के क्षेत्र एवं सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग बढ़ाने की जरुरत पर बल दिया है।

दोनों देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों पर भी व्यापक चर्चा की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत यात्रा पर आए ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो के साथ बुधवार को यहां विस्तार से बातचीत की। सिंह ने बैठक के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज नयी दिल्ली में ब्राज़ील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और ब्राज़ील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो से मिलकर मुझे खुशी हुई। हमने सैन्य-से-सैन्य सहयोग और रक्षा-औद्योगिक सहयोग के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग से संबंधित मुद्दों पर दूरदर्शी चर्चा की। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर बताया कि दोनों नेताओं ने मौजूदा रक्षा संबंधी पहलों की प्रगति की समीक्षा की और रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के अवसरों की खोज सहित संयुक्त कार्य के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की। भारत और ब्राज़ील के बीच रणनीतिक साझेदारी है। नेताओं ने संयुक्त अभ्यास और प्रशिक्षण यात्राओं सहित सैन्य-से-सैन्य आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित करते हुए रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने बैठक में रक्षा क्षेत्र से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा और रक्षा सहयोग की समीक्षा की। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने एक दूसरे को स्मृति चिन्ह भी भेंट किए। इस मौके पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं का शीर्ष नेतृत्व भी मौजूद था। ब्राजील के उपराष्ट्रपति तीन दिन की भारत यात्रा पर आज दोपहर यहां पहुंचे थे। उनका गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा अन्य मंत्रियों के साथ मिलने का कार्यक्रम है।

डीपीएस रानीपुर में इंटर डीपीएस बास्केटबॉल टूर्नामेंट 2025 का भव्य आगाज़

15 डीपीएस स्कूलों की टीमें दिखा रही दमखम, उद्घाटन मैच में रानीपुर ने बिजनौर को हराया

पथ प्रवाह, हरिद्वार

दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, हरिद्वार में बुधवार को 'द डीपीएस सोसाइटी, नई दिल्ली' के तत्वावधान में जोन-3 द इंटर डीपीएस बास्केटबॉल बॉयज़ ओपन टूर्नामेंट 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय यह प्रतियोगिता 15 से 17 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है, जिसमें देशभर के 15 डीपीएस विद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। प्रतिभागी टीमों में डीपीएस आगरा, बरेली, बिजनौर, देहरादून, ऐल्डिको लखनऊ, हल्द्वानी, जानकीपुरम, झांसी, काशी, मेरठ, वाराणसी, पीलीभीत, प्रयागराज, रूड़की और मेज़बान डीपीएस रानीपुर की टीमें शामिल हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत की मधुर प्रस्तुति के साथ हुआ। तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. अनुपम जग्गा ने उपप्रधानाचार्य पविंदर सिंह एवं अनुपमा श्रीवास्तव सहित अतिथियों के साथ रंग-

बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीपीएस रानीपुर टीम के कप्तान अंश ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों, कोचों और रेफरीज़ को खेल भावना की शपथ दिलाई। वहीं, विद्यालय के बैंड ने उत्साहवर्धक धुनों की प्रस्तुति देकर माहौल को जोश और ऊर्जा से भर दिया। दर्शकदीर्घा में बैठे विद्यार्थियों और अभिभावकों ने करतल ध्वनि से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रधानाचार्या डॉ. अनुपम जग्गा ने स्वागत संबोधन में सभी प्रतिभागी विद्यालयों, कोचों और अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता केवल खेल का नहीं, बल्कि खेल भावना, अनुशासन और आत्मबल को मजबूत करने का मंच है। डीपीएस सोसाइटी ने इस आयोजन की मेजबानी का अवसर हमें देकर सम्मानित किया है। हमें पूर्ण विश्वास है कि यह टूर्नामेंट सभी के लिए एक प्रेरणादायी और यादगार अनुभव रहेगा।

उद्घाटन मैच डीपीएस रानीपुर और डीपीएस बिजनौर के बीच खेला गया, जिसमें रोमांचक मुकाबले में डीपीएस रानीपुर ने 33-30 से जीत दर्ज की और अगले चरण में प्रवेश किया। दूसरे मुकाबले में डीपीएस रूड़की ने डीपीएस मेरठ को 38-9 से मात देकर आसानी से जीत हासिल की। समाचार लिखे जाने तक पहले दिन के अन्य मुकाबले जारी थे।

टूर्नामेंट का समापन 17 अक्टूबर को किया जाएगा, जिसमें विजेता टीम को ट्रॉफी एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

एक नजर

हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण में नई उपाध्यक्ष सोनिका ने संभाला कार्यभार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण के नव नियुक्त उपाध्यक्ष श्रीमती सोनिका, आईएएस. ने आज अपने उपाध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नव आगंतुक उपाध्यक्ष का हार्दिक स्वागत किया। प्राधिकरण ने निवर्तमान उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने नव नियुक्त उपाध्यक्ष सोनिका को बुके देकर स्वागत किया और उनको शुभकामनाएं दी। आईएएस अंशुल सिंह अल्मोड़ा के जिलाधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर उपाध्यक्ष सोनिका ने बधाई दी। विदाई समारोह में अंशुल सिंह के प्राधिकरण में किए गए कार्यों की सभी ने सराहना की। कार्यभार ग्रहण समारोह के दौरान प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे और नए नेतृत्व के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। श्रीमती सोनिका ने अपने भाषण में विकास कार्यों को और गति देने और हरिद्वार-रूड़की क्षेत्र के प्रगति लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर ने यह संदेश दिया कि प्राधिकरण के नेतृत्व में परिवर्तन सकारात्मक ऊर्जा और विकासात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेगा।

अभिनेता पंकज धीर का निधन

मुंबई। लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत में कर्ण का किरदार निभाने वाले पंकज धीर का बुधवार को यहां निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे और लम्बे समय कैंसर से पीड़ित थे। सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने आधिकारिक बयान में पंकज धीर के निधन की पुष्टि की। एसोसिएशन ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ÷गहरे शोक और दुःख के साथ हम सूचित करते हैं कि हमारे ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन और सिंटा के पूर्व महासचिव पंकज धीर का आज निधन हो गया। पंकज धीर ने बी.आर. चोपड़ा के लोकप्रिय धारावाहिक महाभारत में दानवीर कर्ण का किरदार निभाया था, जिससे उन्हें भारी लोकप्रियता मिली थी। वह लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने कई हिंदी फिल्मों और टीवी सीरियलों में काम किया। उन्हें चंद्रकांता, युग, द ग्रेट मराठा और बढ़ो बहू जैसे शो में देखा गया। वह आशिक आवारा, सड़क, सोल्जर और बादशाह जैसी फिल्मों में भी नजर आये थे। पंकज धीर के पिता सी.एल. धीर फिल्मकार थे। सी.एल. धीर ने 60 और 70 के दशक में कई फिल्मों में काम किया। वहीं, पंकज के बेटे निकितिन धीर भी अभिनेता हैं।

मुर्मु , मोदी और शाह ने डा. कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। राष्ट्रपति सचिवालय ने बताया कि श्रीमती मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. अब्दुल कलाम को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. कलाम को एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और राष्ट्र को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन हमें याद दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत आवश्यक है। उन्होंने उम्मीद जताइ कि डॉ. कलाम की कल्पना के अनुरूप मजबूत, आत्मनिर्भर और करुणामय भारत का निर्माण जारी रखेंगे।

श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है जिन्होंने युवा मन को प्रज्वलित किया और हमारे देश को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि सफलता के लिए विनम्रता और कड़ी मेहनत बेहद ज़रूरी है। हम उनके द्वारा देखे गए भारत का निर्माण जारी रखें... एक ऐसा भारत जो मज़बूत, आत्मनिर्भर और करुणामय हो। शाह ने डा. कलाम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा ,डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जी को उनकी जयंती पर नमन। एक वैज्ञानिक प्रतिभा, कलाम जी ने अपनी अटूट देशभक्ति और भारत प्रथम के सिद्धांत के साथ विज्ञान, रक्षा और तकनीकी नवाचारों में हमारे देश की प्रगति को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुँचाया।

परमाणु वैज्ञानिक के रूप में मिसाइल मैन के नाम से विख्यात हुए डा. कलाम 25 जुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक देश के राष्ट्रपति रहे।

जुबिन के परिजनों से मुलाकात करने असम जाएंगे राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दिवंगत गायक जुबिन गर्ग के परिजनों से मुलाक़ात करने शुक्रवार को असम जायेंगे।

गौरतलब है कि लोकप्रिय असमिया गायक की 19 सितंबर को सिंगापुर में रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गयी थी ।

स्कूबा डाइविंग करते वक्त उन्हें सांस लेने में दिक्कत हुयी थी। वह सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने गए थे। घटना के बाद असम सरकार ने मामले की गहन जांच के आदेश दिए थे और हत्या की साजिश के शक के चलते कई प्राथमिकी दर्ज कर सीआईडी को जांच सौंपी गयी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री गांधी शुक्रवार को गायक के परिजनों से मुलाक़ात करने असम जायेंगे। जुबिन की रहस्यमयी मौत

के मामले को लेकर कांग्रेस लगातार आक्रामक है। पार्टी की तरफ़ से असम में इस मसले पर विरोध प्रदर्शन और मशाल जुलूस भी निकाला गया है। पार्टी की माँग है कि गायक की मौत के मामले की निष्पक्ष जाँच की जाये।

असम कांग्रेस प्रभारी सचिव मनोज चौहान ने कहा, ÷पिछले कुछ दिनों में इस मामले में भाजपा के बयानों से साफ हो गया है कि उन्होंने इस पर भी राजनीति शुरू कर दी है। उनके बयानों में अब कोई मर्यादा नहीं बची है। दिवंगत गायक पर सवाल उठाना और पुलिस के जरिए बल प्रयोग करना दिखाता है कि सरकार के पास कोई और विकल्प नहीं बचा हैं।

उन्होंने कहा कि जुबिन की मौत के बाद लोग अभी भी गहरे सदमे से गुजर रहे हैं। उम्मीद है कि सरकार उनकी मौत से जुड़े सभी तथ्य जनता के सामने रखेगी। लोग यह भी जानना चाहते हैं कि जुबिन की मौत के बाद भी सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल कैसे जारी रहा।

दो दिन की गिरावट से उबरा शेयर बाजार, सेंसेक्स 575 अंक उछला

मुंबई। लगातार दो दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को रौनक लौट आयी और बीएसई का सेंसेक्स 575 अंक उछल गया। बाजार में आज शुरू से ही लिवाली रही जिससे सेंसेक्स मंगलवार के मुकाबले 575.45 अंक ऊपर 82,605.43 अंक (0.70 प्रतिशत) पर बंद हुआ। वित्तीय कंपनियों एवं सार्वजनिक बैंकों के साथ रियलिटी, तेल एवं गैस और आईटी सेक्टरों में भी निवेशकों ने खूब विश्वास दिखाया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 178.05 अंक यानी 0.71 फीसदी ऊपर 25,323.55 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का 19 सितंबर के बाद का उच्चतम स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में निवेशकों ने ज्यादा विश्वास दिखाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.08 फीसदी और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.82 फीसदी ऊपर रहा। एनएसई में कुल 3,189 कंपनियों के शेयरों में आज कारोबार हुआ जिनमें 1,979 के शेयर हरे निशान में और 1,125 के लाल निशान में बंद हुए। वहीं, 85 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। एनएसई में रियलिटी, तेल एवं गैस, सार्वजनिक बैंकों, वित्त, एफएमसीजी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और आईटी समूहों के सूचकांकों में ज्यादा तेजी रही। अन्य समूहों के सूचकांक भी हरे निशान में रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयर हरे निशान में बंद हुए। बजाज फाइनेंस के बोर्ड द्वारा 1,890 करोड़ रुपये के अपरिवर्तनीय डिबेंचर जारी करनी की मंजूरी के बाद कंपनी का शेयर सबसे अधिक 4.03 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। बजाज फिनसर्व में 3.10 प्रतिशत, एशियन पेंट्स में 2.48, एलएंडटी में 2.23 और ट्रेंट में 2.19 प्रतिशत की तेजी रही।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालयः 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com